निपाह वायरस

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में केरल के एक 14 वर्षीय लड़के की **निपाह वायरस (Nipah Virus)** से संक्रमित होने के बाद मृत्यु हो गई।

- **निपाह वायरस (NiV) एक** [ज़ूनोटिक](#) **वायरस** (**पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाला) है और यह दूषित भोजन के माध्यम से या सीधे लोगों के बीच भी फैल** सकता है।
- **प्रकृति:** निपाह वायरस इंसेफेलाइटिस के लिये उत्तरदायी जीव पैरामाइक्सोविरिडे श्रेणी तथा हेनिपावायरस जीनस/वंश का एक RNA अथवा [राइबोन्यूक्लिक एसिड वायरस](#) है तथा यह हेंड्रा वायरस से **निकटता से संबंधित** है।
- **संचरण:** NiV प्रारंभ में **घरेलू सुअरों, कुत्तों, बिल्लियों, बकरियों, घोड़ों और भेड़ों** में देखा गया।
    - यह रोग पटरोपस जीनस के **'फ्रूट बैट' अथवा 'फ्लाइंग फॉक्स'** के माध्यम से फैलता है, जो निपाह और हेंड्रा वायरस के प्राकृतिक स्रोत हैं। यह वायरस चमगादड़ के मूत्र और संभावित रूप से चमगादड़ के मल, लार व जन्म के समय निकलने वाले तरल पदार्थों में मौजूद होता है।
- **मृत्यु दर: इसमें मृत्यु दर 40% से 75%** तक होती है।
- **लक्षण: मानव संक्रमण में बुखार, सिरदर्द, मानसिक भ्रम, कोमा और संभावित मृत्यु आदि** शामिल है।
- **निदान:** शारीरिक तरल पदार्थों के माध्यम से **रियल टाइम पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन (Real-Time Polymerase Chain Reaction- RT-PCR)** और एंजाइम-लिंक्ड इम्यूनोसॉर्बेंट एसे (Enzyme-Linked Immunosorbent assay- ELISA) के माध्यम से एंटीबॉडी का पता लगाने से निदान किया जा सकता है।
- **रोकथाम: वर्तमान में मनुष्यों और जानवरों, दोनों के लिये कोई टीका उपलब्ध नहीं है।**
- **विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्रतिक्रिया:** इसने **निपाह को प्राथमिकता वाली** बीमारी के रूप में पहचाना है।

अधिक पढ़ें: [निपाह वायरस संक्रमण (NiV)](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nipah-virus-4